OFFICE OF THE PRINCIPAL GOVT. KAMLADEVI RATHI MAHILA PG MAHAVIDYALAYA
RAJNANDGAON (C.G.)

Web site – www.govtkdmcollegerjn.com
Email –kamlacollege.rjn@gmail.com
Phone No. – 07744-225171
Fax No. – 07744-225171

B NAAC

3.3.3 Number of books and chapters in edited volumes/books published and papers published in national/ international conference proceedings per teacher during last five years (10)

Sl. No.	Name of the teacher	Title of the book/chapters published	Title of the paper	Title of the proceedings of the conference	Name of the conference	National / International	Year of publication	ISBN/ISSN number of the proceeding	Affiliating Institute at the time of publication	Name of the publisher
1	Dr. Nevidita A. Lall	Bhugol, Bhag - 2	-	-	-	National	2021	-	Govt. Kamladevi Rathi Mahila PG Mahavidyalaya, Rajnandgaon	Milestone Publication, New Delhi India
2	Ms. Mamta R. Deo	Mahila Sashaktikaran ka vartaman paridrishya	-	-	-	National	2016	978-93-80511-47-4	Govt. Kamladevi Rathi Mahila PG Mahavidyalaya, Rajnandgaon	Madhur Printers, Kanpur

Principal
प्राचार्य
शास.कमला देवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ के संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार-2020

भूगोल

भाग-2

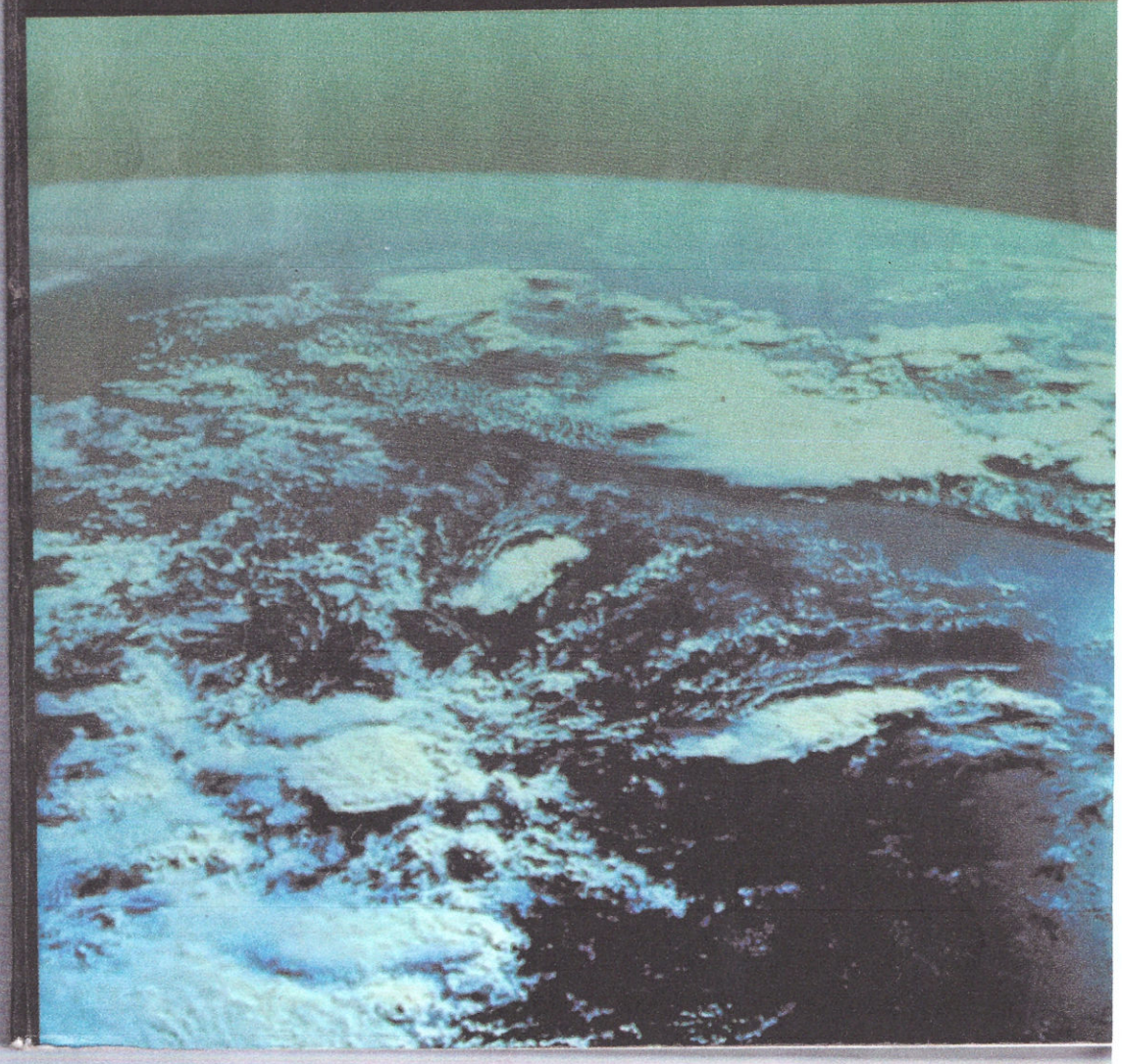

प्राचार्य
शास.कमलादेवी महिला महाविद्या
राजनांदगाँव (छ.ग.

(Dr. Nivedita A. Lall)

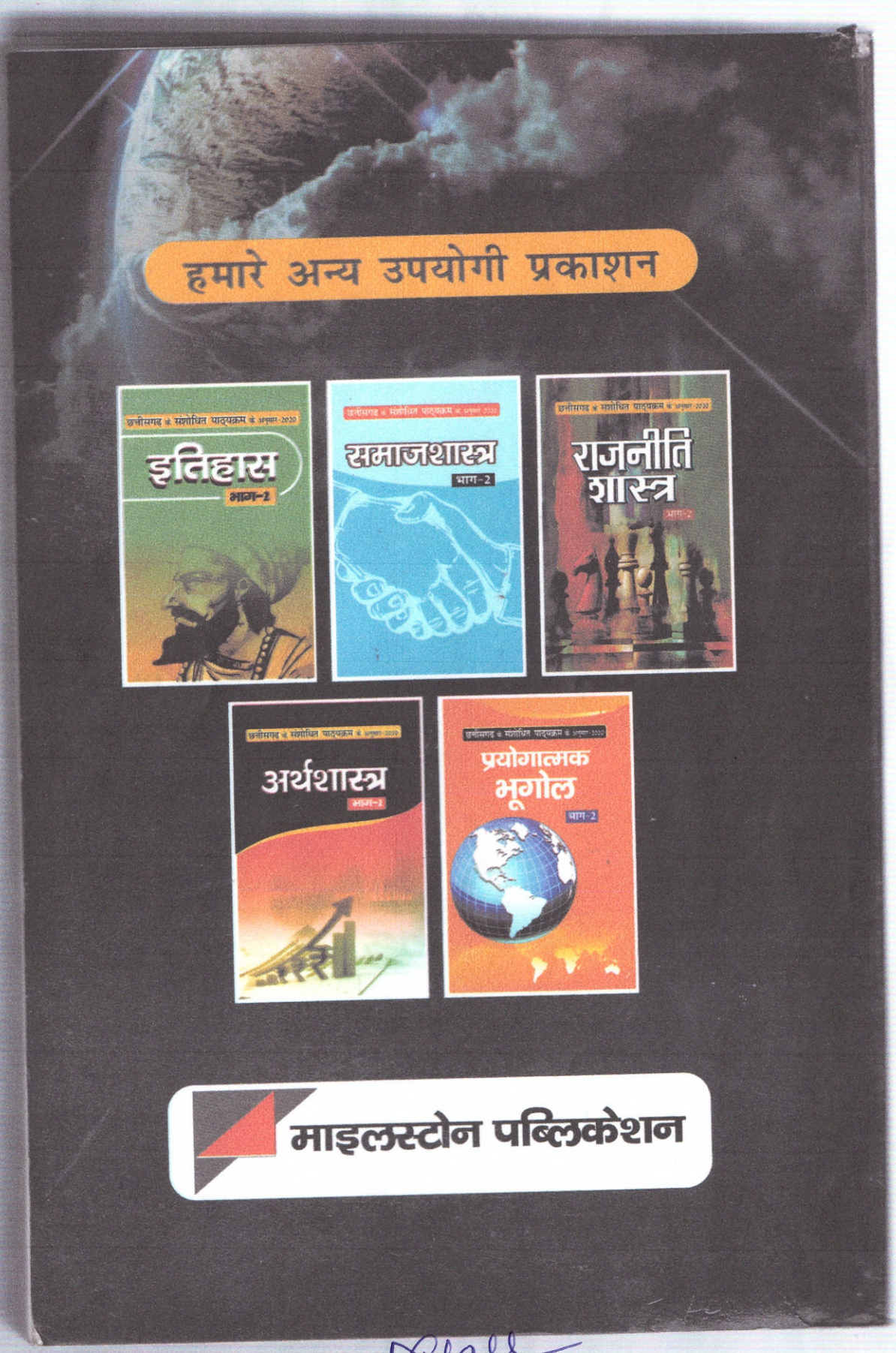

(Dr. Nivedita A. Lall)

प्राचार्य
शास.कमलादेवी महिला महाविद्या
राजनांदगाँव (छ.ग.

भूगोल

भाग-2

नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

लेखक

डॉ. के.एम.एल. अग्रवाल

एम.ए., पी-एच.डी.

भूतपूर्व विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग

के.आर. महाविद्यालय

मथुरा (उ.प्र.)

संशोधनकर्ता

डॉ. (श्रीमती) निवेदिता ए. लाल

एम.ए., पी-एच.डी.

शासकीय कमला देवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

राजनांदगाँव (छत्तीसगढ़)

2021

माइलस्टोन पब्लिकेशन

(Dr. Nivedita A. Lall)

प्राचार्य

शास.कमलादेवी महिला महाविद्या

राजनांदगाँव (छ.ग.)

विषय-सूची

प्रथम प्रश्न-पत्र—आर्थिक एवं संसाधन भूगोल

इकाई—I

1. आर्थिक भूगोल का अर्थ, परिभाषाएँ एवं विषय-क्षेत्र 1-7
2. संसाधन की संकल्पनाएँ 7-18
3. संसाधनों का वर्गीकरण 19-29
4. मिट्टी संसाधन 30-41
5. वन संसाधन 42-67
6. जल संसाधन 68-83

इकाई—II

7. खनिज संसाधन 84-94
8. शक्ति के संसाधन 95-125
9. कृषि संसाधन 126-134

इकाई—III

10. विश्व के कृषि प्रदेश 135-139
11. उद्योग-धन्धे 140-159

इकाई—IV

12. परिवहन के साधन 160-181
13. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार 182-186

इकाई—V

14. संसाधनों का संरक्षण 187-200
15. प्राकृतिक संसाधनों का विदोहन एवं पर्यावरणीय प्रकोप 201-206

द्वितीय प्रश्न-पत्र—भारत का भूगोल

इकाई—I

16. भारत : भौगोलिक स्थिति 207-214
17. भौतिक स्वरूप 215-241
18. जल प्रवाह 242-254
19. जलवायु 255-285

इकाई—II

20. मिट्टी 286-300
21. वनों के प्रकार 301-312
22. सिंचाई एवं जल-विद्युत योजनाएँ 313-346
23. खनिज एवं शक्ति के साधन 347-388

इकाई—III

24. जनसंख्या 389-400
25. कृषि 401-441

इकाई—IV

26. उद्योग 442-474
27. परिवहन 475-504
28. विदेशी व्यापार 505-511
29. औद्योगिक प्रदेश 512-515

इकाई—V

30. भारत के प्राकृतिक अथवा भौगोलिक प्रदेश 516-522

❑❑

प्राचार्य
शास.कमलादेवी महिला महाविद्या
राजनांदगाँव (छ.ग.

(Dr. Nivedita A. Lale)

डॉ. (श्रीमती) शशिकला सिन्हा

जन्म	:	29 जून 1962 ई.
माता	:	स्व. बसंती देवी अम्बष्ट
पिता	:	स्व. जे.पी. अम्बष्ट
पति	:	श्री संजय सिन्हा
बच्चे	:	शिवम सिन्हा, शिवांगी सिन्हा
शिक्षा	:	एम.ए., पी-एच.डी.
सदस्यता	:	बुन्देलखण्ड इतिहास परिषद् एवं शोध संस्थान, छत्तीसगढ़ इतिहास परिषद्, रिसर्च जोन अम्बिकापुर, सुन्दर सुभेष अन्तर्राष्ट्रीय शोध-पत्रिका विषय विशेषज्ञ।
अनुभव	:	अध्यापन अनुभव 30 वर्ष स्नातक एवं 22 वर्ष स्नातकोत्तर
प्रकाशित	:	पुरातात्त्विक स्थल रतनपुर एक अध्ययन, सं.- जनजातीय विकास की अवधारणा, सं.- महिला सशक्तिकरण का वर्तमान परिदृश्य (पुस्तकें), 20 राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध आलेख प्रकाशित
विशेष	:	50 राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठियों में भागीदारी एवं शोध निर्देशक
सम्प्रति	:	इतिहास विभाग प्रमुख, शासकीय माता शबरी नवीन कन्या महाविद्यालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़ - 495001
सम्पर्क	:	कपिल नगर (कच्छ गुर्जर समाज भवन के पास), सीपत रोड, नया सरकण्डा, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) - 495001
ई-मेल	:	shashi.sinha207@gimal.com

समता प्रकाशन

प्रकाशक एवं पुस्तक विक्रेता

बजरंगनगर, रूरा, कानपुर (देहात)-209303

(उत्तर प्रदेश)

मो० 09450139012, 09936565601

E-mail : samataprakashanrura@gmail.com

प्राचार्य

कमलादेवी महिला महाविद्या

राजनांदगाँव (छ.ग.

ISBN 978-93-80511-47-4

9 789380 511474 >

₹ 600/-

महिला सशक्तिकरण का वर्तमान परिदृश्य ★ सं.- दीपक, डॉ. भावना, डॉ. सिन्हा

महिला सशक्तिकरण का वर्तमान परिदृश्य

सम्पादक- दीपक कुमार, डॉ सुश्री भावना कमाने

डॉ० (श्रीमती) शशिकला सिन्हा

इ
जन्म
माता
पिता
शिक्ष
भाषा
रुचि
प्रका
अनु
विशे
सम्प
संप
ई.सं

प्राचार्य
शास.कमलादेवी महिला महाविद्या
राजनांदगाँव (छ.ग.

महिला सशक्तिकरण
का
वर्तमान परिदृश्य

सम्पादक
दीपक कुमार
डॉ. सुश्री भावना कमाने
डॉ. (श्रीमती) शशिकला सिन्हा

समता प्रकाशन, कानपुर-देहात

देश औपनिवेशिक दासता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, उस समय स्त्री चेतना देश की स्वतंत्रता और स्वयं अपनी सामाजिक स्वतन्त्रता के लिए जूझ रही थी। वर्तमान दौर में महिला लेखिकाएँ इस दिशा में नारी को जाग्रत करने तथा सुदृढ़ बनाने में सार्थक प्रयास कर रही हैं। अपने लेखन के माध्यम से ये आवाहन करती हैं कि कुप्रथाओं को तोड़कर हिम्मत से आगे बढ़ो क्योंकि 'डर के आगे जीत' है और वह जीत आपका इन्तजार कर रही है। अनेक महिला लेखिकाओं के प्रयासों, मीडिया, शिक्षा, नारी आन्दोलनों तथा साहित्यिक मनीषियों के चिन्तन के प्रभाव से नारी की छवि और उसकी दिशा में आमूल चूल परिवर्तन की स्थिति दृष्टिगोचर हो रही है।

वर्तमान समय में समाज के सामने एक परिवर्तित तथा आधुनिक नारी स्थापित है। इस आधुनिक नारी को अपनी स्थिति का स्वयं विश्लेषण करना होगा। नारी की सचेतनता ही उसके भविष्य के रूप को तय करेगी।

अन्त में मैं यह कहना चाहूँगा कि किसी भी लेखन सामग्री का प्रकाशन होना अनिवार्य होता है। इस कृति का प्रकाशन समता प्रकाशन बजरंग नगर, रूरा, कानपुर देहात के सर्वेसर्वा अरुण कुमार जी के माध्यम से हुआ है। इस कार्य हेतु अरुण जी को धन्यवाद।

दीपक कुमार
सहायक अध्यापक
प्रा.वि. रनवाँ
विकास खण्ड-तालग्राम
जनपद-कन्नौज (उ०प्र०)

प्राचार्य
शास.कमलादेवी महिला महाविद्या

अनुक्रम

1.	ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने में स्वयं सहायता समूहों का योगदान	11 - 15
2.	पंचायती राज में महिला सशक्तिकरण	16 - 19
3.	महिला सशक्तिकरण: घरेलू हिंसा के संदर्भ में	20 - 25
4.	आज के बदलते परिवेश में महिलाओं की स्थिति	26 - 29
5.	भारतीय लोकतंत्र एवं महिला सशक्तिकरण	30 - 34
6.	महिला सशक्तिकरण सामाजिक उत्थान के संदर्भ में	35 - 38
7.	भारतीय संविधान और महिला अधिकार	39 - 42
8.	'तीसरी सत्ता' उपन्यास में नारी	43 - 46
9.	साहित्य, समाज और महिला उत्पीड़न	47 - 50
10.	महिला सशक्तिकरण	51 - 54
11.	भारत में महिलायें एवं आरक्षण	55 - 56
12.	'गुनाह-बेगुनाह' उपन्यास में महिला सशक्तिकरण	57 - 60
13.	नारी शिक्षा और सशक्तिकरण	61 - 64
14.	महिला सशक्तिकरण में नारी की भूमिका	65 - 68
15.	नासिरा शर्मा के कथा साहित्य में नारी समस्यायें	69 - 73
16.	महिला सशक्तिकरण बनाम महिलाओं की स्थिति	74 - 77
17.	हिन्दी साहित्य में नारी	78 - 80
18.	नारी सशक्तिकरण और मीराबाई	81 - 84
19.	महिला सशक्तिकरण: एक दृष्टिकोण	85 - 88
20.	आदिवासी समाज में नारी की स्थिति	89 - 92
21.	हिन्दी साहित्य में नारी चिन्तन	93 - 96
22.	आधुनिकता के आइने में महिला सशक्तिकरण	97 - 100

23. महिला सशक्तिकरण में महिलाओं का योगदान 101-104
24. महिला सशक्तिकरण: एक समाजशास्त्रीय विवेचन 105-108
25. मालती जोशी की कहानियों में महिला सशक्तिकरण 109-112
26. 'इदन्नमम' उपन्यास में महिला सशक्तिकरण 113-116
27. महिला सशक्तिकरण: उपाय और सुझाव 117-121
28. साहित्य और महिला सशक्तिकरण 122-125
29. महिला सशक्तिकरण: दशा और दिशा 126-129
30. महिला सशक्तिकरण अर्थात् महिलाओं की स्थिति 130-133
31. महिला सशक्तिकरण का ग्रामीण संदर्भ 134-136
32. आधुनिकता और महिला सशक्तिकरण 137-140
33. आदिवासी हिन्दी उपन्यासों में महिला सशक्तिकरण 141-145
34. महिलाओं की पारिवारिक एवं सामाजिक स्थिति 146-149
35. स्त्री विमर्श: स्वरूप एवं अर्थवत्ता 150-153
36. महिला सशक्तिकरण: एक परिदृश्य 154-156
37. हिन्दी का समकालीन कथा साहित्य और स्त्री-विमर्श 157-159
38. कन्या-भ्रूण हत्या की समस्या और समाधान 160-162
39. 'सारा आकाश' उपन्यास में नारी 163-166
40. अनदेखे अनजान पुल उपन्यास में 'निन्नी' की निर्भीकता 167-169
41. 'कगार की आग' उपन्यास में महिला सशक्तिकरण 170-172
42. नारी की दशा और दिशा 173-175
43. महिला सशक्तिकरण में लिंगभेद की अवधारणा 176-179
44. महिला सशक्तिकरण की पृष्ठभूमि 180-182
45. महिला सशक्तिकरण का वर्तमान परिदृश्य 183-186
46. महिलाएँ एवं राजनीति 187-190
47. महिला सशक्तिकरण का यथार्थ 191-193
48. महिला सशक्तिकरण: के परिप्रेक्ष्य में महिलाओं की सामाजिक स्थिति 194-196
49. महिला सशक्तिकरण में मनरेगा की भूमिका 197-199
50. औरत और कार्यक्षेत्र 200-202
51. साहित्य में महिला सशक्तिकरण 203-208

प्राचार्य
शास.कमलादेवी महिला महाविद्या
राजनांदगाँव (छ.ग.

1.

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने में स्वयं सहायता समूहों का योगदान

भारत की जनगणना रिपोर्ट वर्ष (2011) के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या 1210.19 करोड़ है। जिसमें पुरुषों की संख्या 623.7 करोड़ (51.54 प्रतिशत) है, एवं स्त्रियों का भाग 586.46 करोड़ (48.46 प्रतिशत) है। कुल जनसंख्या का लगभग आधा भाग होने के कारण समाज के सन्तुलित विकास तथा समृद्धि में स्त्रियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। महिलाओं का एवं उनके माध्यम से देश का विकास करने के उद्देश्य से संविधान, कानून और भारत सरकार द्वारा विशेष प्रयास किए गए हैं। स्वतन्त्र भारत में महिलाओं को समानता का दर्जा दिया गया, संविधान की धारा 14 राजनैतिक, सामाजिक व आर्थिक क्षेत्रों में स्त्रियों के पुरुषों के समान अधिकार व अवसर प्रदान करती है, धारा 15 लिंग, धर्म व जाति के आधार पर किसी भी नागरिक के साथ भेदभाव का निषेध करती है, धारा 15 (3) राज्य के महिलाओं के पक्ष में सकारात्मक भेदभाव करने का अधिकार देती है एवं धारा 39 राज्य को अपनी नीतियाँ इस प्रकार बनाने के लिए अनुबंधित करती है कि जिसमें समान कार्य के लिए समान वेतन प्राप्त हो, इस हेतु समान कार्य के लिए समान वेतन अधिनियम 1976 लागू किया गया किन्तु वास्तव में भारतीय समाज में महिलाओं को कभी भी एक स्वतन्त्र व्यक्तित्व के रूप में समाज में स्थान नहीं दिया गया है, अपने भरण-पोषण, सुरक्षा व जीवन यापन हेतु वे पुरुषों पर आश्रित होती हैं साथ ही महिलाओं की प्रस्थिति धनी-निर्धन, शिक्षित-अशिक्षित, ग्रामीण-नगरीय के संदर्भ में अलग-अलग है।

महिलाओं के विकास और सशक्तिकरण के लिए केन्द्र व राज्यों की सरकारों ने अनेक नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू किया और उसके लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए केन्द्र से लेकर पंचायत स्तर तक प्रयास प्रारम्भ किये लेकिन ग्रामीण महिलाओं की स्थिति व समस्याएँ शहरी महिलाओं से भिन्न होने के कारण इन नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभाव ग्रामीण महिलाओं पर अपेक्षित रूप से कम पड़ा यद्यपि सम्पूर्ण देश की महिलाओं की कुल जनसंख्या में ग्रामीण महिलाओं की जनसंख्या